भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये रु.10

TEN RUPEES Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

छ.ग.शासन ज्ञापन क्र. 780-202-6-R-70
दि. 02-11-1996 के अनुसार अनु.जाति/
अनु.जनजाति के कारण स्टाम्प/ मेटेरियल
शुल्क में छूट है।

23AA 489698

समक्षः– श्रीमान् नोटरी महोदय कवर्धा जिला – कबीरधाम छ.ग.

गायत्री धुर्वे पति मुकेश धुर्वे 32 वर्ष

पेशा गृहणी निवासी गोदना रिसार्ट के सामने

भोरमदेव रोड कवर्धा थाना कवर्धा

जिला कबीरधाम छ.ग. ....शपथकर्ता

गायत्री धुर्वे

शपथपत्र

शपथकर्ता निम्नानुसार शपथपूर्वक कथन करती है :–

1. यह कि, शपथकर्ता का नाम पता एवं अन्य विवरण उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि, शपथकर्ता ने अपने हस्तलेखन से स्वयं पर व्यापित जिन घटनाओं का उल्लेख मक्खीखान के विरूद्ध किया है उसे उसने पूरे होशोहवास में स्वस्थ मस्तिष्क से बिना किसी दबाव या धमकी के लिखा है जिसपर वह हमेशा कायम रहेगी कभी नहीं मुकरेगी।
3. यह कि, उक्त हस्तलेखन जो सादे कागज पर लकीर वाले कागज पर कुल 12 पृष्ठ ..लिखी हुए पृष्ठों पर है। इस शपथपत्र का अंग माना जावे।

गायत्री धुर्वे

अतः उक्त मेरे उपर व्यापित घटना जो इस शपथपत्र का अंग है और साथ संलग्न है के समर्थन में है जो शपथपत्र प्रस्तुत है। उक्त घटना के बारे में दिनांक 22.03.2025 दिन शनिवार से शपथकर्ता ने लिखना शुरू किया है जिसका पूरक भाग भी इस शपथपत्र का अंग माना जाये।

शपथकर्ता
गायत्री धुर्वे

सत्यापन

मैं शपथकर्ता गायत्री धुर्वे पति मुकेश धुर्वे 32 वर्ष पेशा गृहणी निवासी गोदना रिसार्ट के सामने भोरमदेव रोड कवर्धा थाना कवर्धा जिला कबीरधाम छ.ग. यह सत्यापित करती हूँ कि, वर्तमान शपथपत्र की संपूर्ण कण्डिका सत्य है। मेरे निर्देशानुसार टंकित है, विधिक तथ्य मेरे द्वारा प्राप्त विधिक सलाह अनुसार सत्य होने का मैं विश्वास करती हूँ। अतः आज दिनाँक को पढ़कर सुनकर, समझकर स्वस्थ मस्तिष्क की दशा में, जागरूक अवस्था में हस्ताक्षर करने योग्य स्वस्थ हाथों की हथेली से अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित की।

कवर्धा

सत्यापनकर्ता
गायत्री धुर्वे
गायत्री धुर्वे

दिनाँक ....

पहचानकर्ता
रमेश
[illegible]

NOTARY R.No.03 Na.M.S.Thakur Area & All Tah. Distt. Kabirdham GOVT. OF (C.G.)

SOLEMENEY AFFIRMED OR SWORN BEFORE ME BY WITHIN NAMED
मेरे समक्ष इस दस्तावेज पर सबंधित व्यक्ति ने पढ़कर पढ़वाकर शपथपूर्वक कथन आज कहा और इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर/अंगूठा किया

MADAN SINGH THAKUR
NOTARY
Kawardha, Kabirdham (C.G.)

Dated - 03-04-2025

दिन - शनिवार
22/03/2025

मै गायत्री धुर्वे सादीसुदा हूँ और दो बच्चे की माँ हू मै यह बतना चाहती हूँ जब से मोहमत कासीम से जान पहचान हुई थी तब से लेकर आज तक की बात यह है कि पहले तो मेरे पति और बच्चे से दूर किया फिर मेरे साथ समबन्ध बनाता था उसका विडीयो बना कर रख लिया था धिरे धिरे उसी बात को लेकर मुझे धमकी देने लगा कि मुझे छोड़ने कि कोशिश करेगी तो तेरा विडीयो नेट पे डाल दूगा फिर मेरे पति के उपर केश करने को बोला फिर मै उसकी यह बात मान कर अपने पति के ऊपर केश की फिर केश सुरू हो जाने के बाद कुछ महिनो तक पेशी मे गई फिर जाना बंद कर दी केश खारीज हो गई। 307 के केश मे जब मोहमत कासीम जेल गया तब उसकी बहन सहरा मेरे पास आ कर बोली की उस घटना के दौरान तु मेरे ~~बाह~~ भाई के साथ थी तो मै बोली हाँ तब वो बोली कुछ लड़को का नाम बता रही हू उसके खिलाफ

गायत्री धुर्वे

(2)

PAGE NO. :
DATE : / /

ले थाने में जाकर छेड़ छाड़ी का रिपोट दरज करा फिर में उसकी घर में आकर अपने इज्जत के बारे में सोची जाकर थाने मे रिपोट दर्ज कर फिर मेरे पति के साथ मेरी बात चित सुरु हुई फिर मै उसके साथ नागपुर जाकर कामने खाने लगी फिर यह बात मोहमद कासीम की बहन सहरा को पता चला फिर वह मेरे ससुराल मे जाकर धमकी देती थी ~~कि वह~~ कि गायत्री अपने पति के साथ नागपुर मे जाकर रह रही है यहा पैसा चुराकर लेके गई है करने धमकी देती थी मेरे ससुराल वाले को और मेरे ~~मोहल्ले~~ मायके के घर तरफ ~~भी~~ जाकर बोलती थी कि गायत्री पैसा लेकर भाग गई है फिर मै पूछी सहरा से कि बात पैसो कि बारे बोल रहे हो तो वह बोली कि जिन लड़को के बारे मे मैं रिपोर्ट दर्ज कराने बोली थी उन लड़को के साथ तू राजी नामा करके पैसा ले ली है वो पैसे मुझे दो फिर मैं राजी नामा भी नही कि हू नाही पैसा ली हूं।

गायत्री धुर्वे

PAGE NO.:
DATE: / /

जब रिपोर्ट लिखाई थी उसके बाद से तो मैं अपने पति के साथ नागपुर मे रह रही थी मेरे पति को भी धमकी देने लग गये उसे छोड़ दो नही छोड़ोगे तो तुमारी भी जान जा सकती है यह बात सुन कर मेरा पति फिर मुझे छोड़ दिया फिर खुदे रेश्मारवार के लड़के के केश मे मोहमत काशीम जेल मे था वो लड़के लोग राजी नामा करना चाहते थे कि मोहमत काशीम की बहन सहरा मेरे को बोली कि जो लड़को के खिलाफ तुम रिपोर्ट लिखाई हो उसके साथ राजी नामा कर लो फिर वो लोग काशीम के साथ राजी नामा करगे फिर कर ली काशीम जेल से बाहर आ गया फिर मै मोहमत काशीम से बोली की मै आपसे कोई प्रकार की सम्बध नही रखना चाहती तो बोला कि नही तुम मुझे नही छोड़ सकती तेरा विड़ियो है मेरे बपास जब तक मैं नही छोड़ना चाहुगा तब तक तुझे मेरे साथ देना होगा फिर मै घर मे उसके साथ रहने लगी फिर उसका सोच एकदम घटीया

गायत्री दुबे

(A)

होने लगा फिर मैं अपने मायके मे रह
लगी तब जब वह मुझे बुलाता तब
तब मैं उससे मिलने जाती थी
फिर एक दिन एक लड़की से फोन मे
बात कराया और बोला ये मेरी दोस्त
है मैं बोली ठीक है फिर एक वह लड़की
को मेरे घर मे लाकर रखा वह लड़की
मेरे घर मे पूरा एक रात रही उसी रात
को मोहमत कासीम मेरे घर आया साथ
मे बैठकर खाना खाये फिर कासीम उसी
लड़की के साथ मेरे सामने सोया यह
सब मुझसे बरदास नहीं हुआ तो मैं उसी रात
को बोली कि मेरे ही घर में आकार मेरे
ही सामने उस लड़की के साथ सो रहे हो
अभी के अभी मेरे घर से निकल जाओ
फिर वह लड़की को लेकर चले गया
फिर दूसरे दिन सुबह फोन करके बोला
कि उस लड़की अपने पास रख लो
उसके घर वाले खोज रहे है मैं बोली
कि मैं क्यू किसी को रखूगी फिर वह
मुझे जान से मारने की धमकी देने लगा
फिर जो लड़की के साथ उसी लड़की को

गायत्री धुर्वे

5

PAGE NO. :
DATE : / /

घर वाले खोजते हुये मेरे घर के सामने गोदना रिसोर्ट के पास पहुंचे जान बूझ कर मेरे घर के पास भागकर लड़की को छोड़ा थे सब में मुझे फसाना चाहा था वो लड़की लड़की भी सादी सुदा थी इसी मोहमत काशीम के कहने पर अपने पति को तालाक दे चुकी थी फिर जैसे तैसे उससे विदा हुई उसके घर वाले उसका साथ दिये उस लड़की का नाम पता सब जानती हू लेकिन नहीं बताना चाहती हूँ बेचारी कि जिवन बरबाद हो जायेगी फिर मोहमत काशीम बोलने लगा कि तु मेरे साथ किराये के माकान में चल रहना फिर मैं उसके साथ कैलाश नगर में किराये के मकान में रहने लगी फिर कुछ दिनो के बाद मुझे मारने पिटने लगा एक तो बहुहुत मारा फिर मैं भगकर थाने में रिपोर्ट लिखवाई फिर बोला किराये के माकान को खाली कर दो फिर वो माकान को खाली कर दी फिर मैं अपने मायके मे आकर रहने लगी फिर वो मुझे पैसा दो बोलने लग गया फिर मैं सोची कि इसको कहा से पैसा

गायत्री दुबे

लाकर दू मेरे पास कुछ गहने थे जो मे
पति मुझे दिलाया था उसे बेच कर दे
दि ~~फिर मैं उसे~~ फिर वो मुझसे पैसा मागने
लगा मैं अपने महिला समूह से पैसा लोन मे
लेकर दि 60000 चंचल महिला समूह मैं मैं
जुड़ी हूँ यह पैसा मैं चूका दि नहीं पाई था
कि फिर वह पैसा मागने लगा मैं बोली
जो कुछ मेरे पास था दे चुकी हूँ अब कहा
से लाकर दूगी मोहमद् काशीम बोला मैं
कुछ नहीं जानता मुझे पैसा दो बोला
इसी दौरान मेरा भाई का एक्सीडेन्ट
हुवा मेरा भाई का पैर टूट गया फिर
मेरे अस्पताल आने जाने लगा फिर
मेरे भाई का पैर ~~का~~ का आपरेशन
हुआ उसके मेरे भाई का अस्पताल
से छुट्टी कारने का सामय आया
फिर काशीम मेरे घर मे घूस कर
मेरे साथ मार पिट किया और
जबरदस्ती मेरे साथ ~~संबंध~~ सम्बध
बनाया फिर मेरे चोट आई थी जिसमे
मेरा नाक कट गया था फिर हमने
रिपोर्ट दर्ज कराई दो तीन महने

गायत्री दुर्वे

जेल मे रहने के दौरान मुझे जेल से फोन कर बोला कि मै यह सहा अब नही करूगा मुझे छुड़वा दो फिर इनसानियत के नाते उसे छुड़वा दि मोहमत काशीम फिर बोलने लगा कि मै तेरे साथ सादी करना चाहता हू मै बोली मै अपने धर्म को छोड़ कर मुसलीम नही बनना चाहती तो कहने लगा कि मेरे पास बहुत सी एयरसी चीजे है तो तेरे को मेरे साथ रहना ही पड़ेगा फिर मै उसके साथ उसके घर पर रहने लगी उसी दौरान मुझे पता चला कि वो फेसबुक मे फेक आयडी चलता है जो फेसबुक आयडी किसी ~~मुसकान नाम के~~ सान के नाम से चलाता है इस आयडी मे बहुत से से लड़के का मैसेज कोल आता था मैसेज वो खुद बात करता था जब कोल आता था तो मार पीट करके मुझे बात करने को बोलता था बात करती तो कुछ नही करता जब मै मना करती थी तो मारने पिटने लग जाता था।

गायत्री दुबे

PAGE NO.:
DATE: / /

एक आमान नाम का लड़का है जो यहीं का है उसको बोलता था कि मुझे पैसा दो मुझे ये काम है वो काम है करके जब वो लड़का कोल करता तब मुझे बात करने को बोलता था मना करने पे मार पिट करता फिर कहने लगा कि बाहर से लड़का आया उससे मिलना पड़ेगा और उसके साथ सोकर पैसा भी लाकर देना पड़ेगा फिर बहुत तंग आ गई थी इसकी हरकतों कि वजा से अपने मायके के घर में आकर रहने लगी फिर मेरी माँ को पैरा लाइज हुआ माँ कि देख भाल मे जादा उसके बातों को नहीं मान पाती थी धीरे धीरे माँ चलने फिरने लगी उसे पता चला कि तुम्हरी मा तो ठीक हो गई है मेरी बातों को क्यो नहीं मान रही हो तुझे अच्छा लगेगा कि मे तेरे मा के साथ भी वो सब करुगा जो तेरे साथ कर रहा हूँ और तेरी बेटी के साथ भी यह सब करुगा फिर मैं गहरी सोच

गायत्री दुर्वे

मैं दुखी रही थी कि यह सच मे
यह सब कुछ मेरी वोही था फिर
मेरी माँ के साथ ना करू हमेशा
घर के सामने वाले रोड़ से गाली
देकर जाता था मैं सहन सहती रही
कि किसको यह सब बात बताऊ
फिर वह मुझे फोन करके बोलने लगा
कि होली के दिन तुझे मेरे साथ रहना
पड़ेगा उसके डर मे मैं उस की बात
मानने को तयार हो जाती फिर मै
एक दिन मना कि मै तेरे साथ होली
नही मनाऊ गी तो उसी दिन दोपहर
को घर मे आकर बाहर रखा सोनी
की गाड़ी खड़ी थी उसे तोड़ फोड
करके गाली गलोच कर रहा था फिर
मेरी माँ और मैं दोनो रूम मे सो रहा
थे जब गाड़ी तोड़ने की आवज सुन
कर माँ बोली ना किसी को बुला कर
लेकर आ आ फिर डमल को फोन
लगा मैं बोली मेरे मोबाईल में बैलेंस
नही है जाकर किसी को बोलती हू
हमारे घर मे दो दरवाजे है सामने के

(10)

PAGE NO.:
DATE: / /

तरफ ~~इस~~ एक दरवाजा अन्दर से बंद था एक खुला था उसी खुले दरवाजे से देखकर रोड़ के सामने वाली दुकान के पास जा ~~प~~ पहुंची दुकान तो बंद था एक दो लड़के बैठे थे उसे बोली की मेरे भाई ईमल को फोन कर दो मोहमद कशीम घर के पास आकर तोड़ फोड़ कर रहा हो फिर मै वापस आई तो देखी मोहमद कशीम मेरी माँ को को मार रहा था फिर मै चीलाई कि तुम मेरी माँ को क्यू मार रहे हो मुझे देखते ही मोहमद काशीम घर से निकल कर भागने लगा माँ के पास जाकर देखी तो माँ मर चुकी थी तो फिर मै मेरे पड़ोसी भैया भाभी ~~है~~ से बोली कि 112 को फोन लगाओ फिर फोन लगा कर 112 को बुला कर घटना के बारे मे बताई और एक जरूरी बात बता रही हूँ दूसरे लड़को के साथ सम्बन्ध बना कर पैसा कमाने को भी बोलता था और कहता था जैसे कि कुछ भी करो मुझे सिर्फ पैसे से मतलब है

गायत्री दुबे. ईमल दुबे

पुलिस को यह सब बताने की कोशीश करती हूँ तो यह इज्जत की नहीं पड़ी है क्या करके बात को दबाने की कोशीश करते है एयशी सोच सोच कर डर मे तो मेरी माँ का जान तो चले गया अब क्या ही इज्जत के बारे में सोचू सब कुछ तो खत्म हो चूका कल फिर जेल से मोहमत कासीम बाहर आएगा मेरा भाई और मेरी जान फिर जायेगी हम दोनो भाई बहन की जान लेकर मेरे घर मे कबजा जामये गा इस घटना की जाँच अच्छी तरीके से होना चहिए और उमा बल्ले करके एक मेडम हय उसको यह केश से हटा कर किसी दूसरे अधीकारी को यह केश जाँच को सौंपा जाये यह मेडम हमेशा बात को दबाने की कोशीश करती है यह सब घटानो को नजर मे रखते हुए कोई मजबूत फैसला लिया जाये मैं निवेदन करती हूँ एयसे हवसानु को फासी ही दिया जाये नहीं कल को फिर बाहर आगर फिर एयसा ही

गायत्री दुबे

करेगी आँज माँ मरी है कल को मेरा भाई या फिर मैं मरूंगी तो इसकी जवाब ~~जाब~~ दारी आप साभी हो हमरी जान की सुरकक्षा चाहते हो तो उसे फासी दो कासीम की बहन सहरा के उपर करवाही कीया जाये हमेशा हल्ला करना धमना करती है अपने भाई मोहमद कासीम को बचाने के लिए ऐ औरत हमेशा अपने भाई को गलत काय करने पर बढ़ावा देती है ~~अ~~ और उसको हमेशा बचा लेती है इसके उपर भी करवाही कीया जाये

गायत्री दुबे
3/4/2025

गायत्री दुबे